DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

16 January, 2024

शंकराचार्य और आदि शकराचार्य

संदर्भ: *ज्योतिर्मठ पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने धार्मिक ग्रंथों मे प्रदत्त प्रक्रियाओं के पालन न करने का कारण बताते हुए राम मंदिर के उद्घाटन में शामिल नहीं होने का निर्णय किया है।*

मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बारे में चिंताएँ:

- मंदिर निर्माण पूरा होने से पहले प्राण प्रतिष्ठा प्रक्रिया को शास्त्रों को के विरुद्ध माना जाता है।
- इस हेतु असहमति जताते हुए अभिषेक प्रक्रिया पर आपत्ति जताई गई है।

शंकराचार्य:

- शंकराचार्य एक धार्मिक उपाधि है जिसका उपयोग चार प्रमुख मठों या पीठों के प्रमुखों के लिए किया जाता है।
- इन मठों की स्थापना 8वीं शताब्दी में आदि शंकराचार्य द्वारा की गई थी।
- 14वीं शताब्दी से पहले मठों के अस्तित्व के ऐतिहासिक साक्ष्य सीमित हैं।
- शंकराचार्य को एक धार्मिक शिक्षक माना जाता है, जो स्वयं आदि शंकराचार्य से चली आ रही वंशावली का हिस्सा हैं।
- ये मठ धार्मिक मंदिरों, मंदिरों, पुस्तकालयों और आवासों के रूप में काम करते हैं, तथा शैव परंपरा को संरक्षित करते हैं और उन्हें बढ़ावा देते हैं।

आदि शंकराचार्य:

- माना जाता है कि आदि शंकराचार्य का जन्म केरल के कलाडी गांव में हुआ था।
- लोकप्रिय किंवदंती में एक मगरमच्छ शामिल है, जिसके कारण उनकी माँ ने उसे संन्यास लेने की अनुमति दी।
- आदि शंकराचार्य एक विद्वान-भिक्षु थे, जिन्होंने दार्शनिक परंपराओं को चुनौती दी, मठों की स्थापना की और मठवासी का निर्देशन किया।
- उन्होंने पूरे भारत में अद्वैत वेदांत का प्रचार करते हुए यात्रा की।
- आदि शंकराचार्य को उपनिषदों, ब्रह्मसूत्र और भगवद गीता पर टिप्पणियों सहित कई कार्यों के लेखक के रूप में जाना जाता है, हालांकि लेखकत्व विवादित है।

अद्वैत वेदांत दर्शन:

- शंकर/शंकराचार्य अद्वैत वेदांत से सम्बंधित हैं, जो एक हिंदू दर्शन है जो अद्वैतवाद पर जोर देता है।
- अद्वैत वेदांत का मानना है कि अनुभवजन्य धारणाएं भ्रामक (माया) हैं, और ब्रह्म ही एकमात्र वास्तविकता है, जो बहुलता से परे है।
- अद्वैत वेदांत का मूल व्यक्तिगत चेतना (आत्मा) और परम वास्तविकता (परमात्मा) की एकता में निहित है।

शंकराचार्य की विरासत:

- शंकराचार्य की विरासत तत्वमीमांसा और धर्मशास्त्र से भी आगे है।
- उनकी यात्राओं की व्याख्या एक राष्ट्रवादी परियोजना के रूप में की जाती है, जो हिंदू भारत की कल्पना करने के लिए आस्था, दर्शन और भूगोल को एक साथ लाती है।
- इनके चार प्रमुख मठों को हिंदू आस्था और परंपराओं का संरक्षक माना जाता है।
- शंकराचार्यों का अयोध्या मंदिर उद्घाटन में शामिल होने से इनकार करना इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है।

विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक

संदर्भ: *विश्व आर्थिक मंच (WEF) 15 से 19 जनवरी तक स्विट्जरलैंड के दावोस में अपनी वार्षिक बैठक आयोजित कर रहा है।*

विश्व आर्थिक मंच (WEF) अवलोकन:

- WEF की शुरुआत जर्मन प्रोफेसर क्लॉस श्वाब ने की है।
- 1971 में यूरोपीय प्रबंधन फोरम के रूप में स्थापित, इसने "हितधारक पूंजीवाद" की अवधारणा पेश की।
- श्वाब का दृष्टिकोण सभी हितधारकों और समाज की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक मूल्य निर्माण पर जोर देता है।

WEF का उद्देश्य:

- शुरुआत में अमेरिकी प्रबंधन प्रथाओं को अपनाने वाली यूरोपीय कंपनियों पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- वर्ष 1973 में ब्रेटन वुड्स के पतन और अरब-इजरायल युद्ध जैसी घटनाओं के कारण वैश्विक आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- विश्व की अग्रणी कंपनियों के लिए सदस्यता प्रणाली की शुरुआत की गई।
- वर्ष 1979 में चीन के आर्थिक विकास आयोगों के साथ साझेदारी स्थापित की गई।

दावोस में वार्षिक बैठक:

- दावोस इस समय निवेशकों, व्यापारिक नेताओं, राजनीतिक हस्तियों, अर्थशास्त्रियों, मशहूर हस्तियों और पत्रकारों सहित लगभग 3,000 प्रतिभागियों की मेजबानी कर रहा है।
- यह बैठक पाँच दिनों तक चलती है जिसमें लगभग 500 सत्र होते हैं जिनमें वैश्विक और क्षेत्रीय सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर चर्चा होती है।
- WEF को बड़े पैमाने पर साझेदार निगमों, वैश्विक उद्यमों द्वारा वित्त पोषित किया जाता है जिनका वार्षिक कारोबार $ 5 बिलियन से अधिक है।

दावोस में ऐतिहासिक महत्व और कूटनीति:

- दावोस आरम्भ से ही महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति का स्थान रहा है।
- इस उल्लेखनीय बैठक में उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच पहली मंत्री स्तरीय वार्ता और जर्मन पुनर्मिलन पर चर्चा भी शामिल है।
- 1992 में, दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति डी क्लार्क ने वार्षिक बैठक में नेल्सन मंडेला और ज़ुलु राजकुमार मैंगोसुथु बुथेलेज़ी से मुलाकात की, जो देश के राजनीतिक परिवर्तन में एक महात्वपूर्ण प्रयास था।
- WEF ने G20 के गठन में भूमिका निभाई, जिसकी शुरुआत 1998 में वित्त मंत्रियों की बैठक के रूप में हुई और बाद में वैश्विक आर्थिक संकट को दूर करने के लिए 2008 में एक शिखर सम्मेलन तक पहुंची।

WEF की वैश्विक रैंकिंग और रिपोर्ट:

- WEF नियमित रूप से वैश्विक रैंकिंग और सूचकांक प्रकाशित करता है : जैसे 'वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता रिपोर्ट' और 'वैश्विक लिंग अंतराल रिपोर्ट'।
- ये रिपोर्टें वैश्विक मुद्दों और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों पर चर्चा में योगदान देती हैं।

प्रोटीन लैंडस्केप अन्वेषण के लिए स्व-ड्राइविंग स्वायत्त मशीनें (SAMPLE)

संदर्भ: *AI द्वारा संचालित लैब, गर्मी प्रतिरोधी चयापचय प्रोटीन बनाती है, जो उद्योग और चिकित्सा में संभावित अनुप्रयोगों के लिए रोबोटिक्स के नेतृत्व वाली जैव प्रौद्योगिकी में एक सफलता है।*

SAMPLE प्लेटफ़ॉर्म निर्माण:

- SAMPLE प्लेटफ़ॉर्म विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय-मैडिसन के जैव रसायन विभाग का एक अंग है।
- इसका नाम "प्रोटीन लैंडस्केप एक्सप्लोरेशन के लिए सेल्फ-ड्राइविंग स्वायत्त मशीनें (सैंपल)" रखा गया है।

प्रोटीन इंजीनियरिंग चुनौतियाँ:

- पारंपरिक प्रोटीन इंजीनियरिंग पद्धतियाँ धीमी, कठिन और अकुशल होती थीं।
- इस प्रक्रिया में परिकल्पना के आधार पर प्रयोगों को डिजाइन करना और संचालित करना तथा परिणामों की व्याख्या करना शामिल है।

स्वायत्त AI ऑपरेशन:

- SAMPLE प्लेटफ़ॉर्म कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का उपयोग करके स्वायत्त रूप से संचालित होता है।
- यह प्रोटीन अनुक्रम-फ़ंक्शन संबंधों को सीखने में सक्षम है।

स्वायत्त प्रोटीन इंजीनियरिंग:

- यह मानवीय हस्तक्षेप के बिना एक प्रोटीन इंजीनियर के रूप में कार्य करता है।
- साथ ही साथ यह सीखता है कि प्रोटीन की संरचना उसके कार्य को कैसे प्रभावित करती है और उस ज्ञान के आधार पर नए डिज़ाइन कैसे बनाती है।

रोबोटिक कार्यान्वयन:

- यह नए प्रोटीन डिज़ाइन बनाने और परीक्षण करने के लिए रोबोटिक उपकरणों (प्रयोगशाला सहायकों) को निर्देश देता है।
- यह सीखने और खोज के लिए एक सतत फीडबैक लूप स्थापित करता है।

ग्लाइकोसाइड हाइड्रॉलेज़ प्रयोग:

- इस प्रयोग का ध्यान ग्लाइकोसाइड हाइड्रॉलेज़ प्रोटीन के ऐसे संस्करण बनाने पर था जो उच्च तापमान को सहन कर सकें।
- छह महीनों में 20 प्रयोग के बाद, स्व-चालित प्रयोगशाला ने एंज़ाइम संस्करण तैयार किए जो शुरुआती प्रोटीन की तुलना में कम से कम 12 डिग्री सेल्सियस अधिक तापमान पर कार्य कर सकते थे।

समय और दक्षता लाभ:

- यह स्वायत्त प्रणाली नए प्रोटीन डिजाइनों की खोज की प्रक्रिया को काफी तेज कर देती है।
- इसकी सहायता से मानवीय कार्य की तुलना में त्रुटि की संभावना कम हो जाती है और दक्षता बढ़ जाती है।

व्यापक अनुप्रयोग और चुनौतियाँ:

- यह अनुप्रयोग जैव ईंधन और चिकित्सा जैसे उद्योगों तक विस्तारित हैं जहां गर्मी का सामना करने वाले प्रोटीन मूल्यवान हैं।
- इनकी चुनौतियों में जैविक प्रयोगों की अंतर्निहित जटिलता और उन्नत विश्लेषणात्मक उपकरणों को एकीकृत करने की आवश्यकता आदि शामिल है।

मानवीय भूमिका और सहयोग:

- मानव शोधकर्ता अभी भी प्रारंभिक परिकल्पनाओं को डिजाइन करने, लक्ष्य कार्यों का चयन करने और निष्कर्षों के व्यापक निहितार्थों की व्याख्या करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- SAMPLE मानव शोधकर्ताओं की क्षमताओं को बढ़ाता है, जिससे उन्हें प्रोटीन इंजीनियरिंग के अधिक रचनात्मक और जटिल पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति मिलती है।

अज्ञात प्रोटीन कार्यों की संभावना:

- सीखने और अनुकूलन के लिए SAMPLE का दृष्टिकोण पारंपरिक तरीकों का उपयोग करके वर्तमान में अज्ञात या बहुत जटिल माने जाने वाले कार्यों वाले प्रोटीन की खोज करने की संभावना को बढाता है।
- इस संदर्भ में सिंथेटिक जीव विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है।

वैज्ञानिक खोज में योगदान:

- SAMPLE प्लेटफ़ॉर्म प्रोटीन इंजीनियरिंग में वैज्ञानिक खोज की प्रक्रिया को महत्वपूर्ण रूप से तेज़ करता है।
- मानवीय हस्तक्षेप के बिना काम करने की इसकी क्षमता क्षेत्र में निरंतर सीखने में योगदान देती है।

मानव विशेषज्ञता का महत्व:

- यद्यपि SAMPLE एक स्वायत्त प्रणाली है, तथापि यह मानव शोधकर्ताओं का स्थान नहीं लेती है।
- हालाँकि यह मानवीय क्षमताओं को बढ़ाता है, जिससे शोधकर्ताओं को प्रोटीन इंजीनियरिंग के अधिक रचनात्मक और जटिल पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

डंकी रूट

हाल ही में, दिल्ली पुलिस ने चार बांग्लादेशी नागरिकों समेत नौ लोगों को अवैध तरीके से डंकी रूट के ज़रिए लोगों को यूरोपीय देशों में भेजने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

डंकी रूट क्या है?

- डंकी रूट जिसे गधा फ्लाइट के नाम से भी जाना जाता है, विदेशों में अवैध रूप से प्रवेश करने का एक तरीका है। इसका प्रयोग मुख्य रूप से अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन जाने के लिए होता है।
- यह नाम पंजाबी शब्द "डंकी" से आया है, जिसका अर्थ है "एक जगह से दूसरी जगह कूदना"। यह निकारागुआ से शुरू होता है, जहां यात्री मध्य अमेरिका के विभिन्न देशों से गुजरते हैं।
- भारत से अमेरिका तक का सबसे लोकप्रिय डंकी रूट पहले लैटिन अमेरिकी देशों जैसे इक्वाडोर, बोलीविया, गुयाना, ब्राजील और वेनेजुएला पहुंचने से शुरू होता है।

क्यों है यह गंभीर मामला?

डंकी रूट अवैध प्रवासन और मानव तस्करी से जुड़ा एक समसामयिक मुद्दा है। अवैध प्रवासन से भारतीय नागरिकों और प्रवासियों के बीच टकराव हो सकता है जिससे जान-माल की क्षति हो सकती है।

नासिन (NACIN)

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के श्री सत्यसाई जिले में राष्ट्रीय सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर और नारकोटिक्स अकादमी (NACIN) संस्थान का उद्घाटन किया।

NACIN के बारे में:

- NACIN ((National Academy of Customs, Indirect Taxes and Narcotics) भारत सरकार का एक सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थान है। इसकी स्थापना 1955 में हुई थी
- यह भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) के अधिकारी प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित करने के लिए उत्तरदायी है।
- यह केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) के सभी अधिकारियों और कैडरों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण भी प्रदान करता है।
- यह केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड (CBEC), राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में है।
- इसका मुख्यालय फरीदाबाद में है और भारत भर में 16 क्षेत्रीय परिसर हैं।

बहुआयामी गरीबी

हाल ही में, नीति आयोग ने बताया है कि विगत 9 वर्षों से 2022-23 तक 24.82 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकल गए हैं, जिसमें उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

बहुआयामी गरीबी:

- बहुआयामी गरीबी एक अवधारणा है जो गरीब लोगों के दैनिक जीवन में होने वाली विभिन्न अभावों को ध्यान में रखती है।
- इन अभावों में खराब स्वास्थ्य, शिक्षा की कमी और निम्न जीवन स्तर शामिल हो सकते हैं।
- बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) इस विचार पर आधारित है कि गरीबी बहुआयामी है, एक आयामी नहीं।
- MPI 109 देशों के डेटा पर विचार करता है।

नीति आयोग:

- नीति आयोग (राष्ट्रीय परिवर्तन संस्थान) एक नीति थिंक टैंक है जो भारत सरकार को नीतिगत मुद्दों पर सलाह देता है।
- इसकी स्थापना 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत के योजना आयोग को बदलने के लिए की गई थी।

सिल्वरलाइन तितली

हाल ही में, भारत के पश्चिमी घाट के जैव विविधता हॉटस्पॉट में सिल्वरलाइन तितली की एक नई प्रजाति की पहचान की गई है।

सिल्वरलाइन तितली के बारे में:

- द कंजॉइन्ड सिल्वरलाइन (सिगरेटिस कंजंक्टा) एक नई खोजी गई तितली की प्रजाति है जिसके पंखों पर विशिष्ट निशान हैं।
- इसे पहली बार 2008 में देखा गया था, लेकिन 2021 में इस पर व्यापक शोध किया गया।
- इसकी खोज बेंगलुरु में नेशनल सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज (एनसीबीएस-टीआईएफआर) के वैज्ञानिकों की एक टीम ने इंडियन फाउंडेशन फॉर बटरफ्लाइज ट्रस्ट के शोधकर्ताओं के सहयोग से कर्नाटक के पश्चिमी घाट में की थी।
- यह दो स्थलों-इरुप्पु फॉल्स और हनी वैली में पाया गया है।
- इस तितली के ऊपरी भाग पर, शीर्ष पंख का लगभग आधा भाग काला है और निचले पंखों पर चमकदार नीला रंग है।
- निचले पंखों पर दो काले धब्बों के साथ एक नारंगी धब्बा है।

सुर्खियों में स्थल

अर्जेंटीना

हाल ही में, भारत सरकार के खान मंत्रालय ने खनिज विदेश इंडिया लिमिटेड (केबीआईएल) और अर्जेंटीना के राज्य-स्वामित सीएएमवाईएन के साथ एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए।

अर्जेंटीना (राजधानी: ब्यूनस आयर्स)

अवस्थिति: अर्जेंटीना दक्षिण अमेरिका का दूसरा सबसे बड़ा देश है जो महाद्वीप के दक्षिणी भाग में स्थित है।

भौगोलिक सीमाएं: अर्जेंटीना की सीमाएं पूर्व में उरुग्वे और अटलांटिक महासागर, पूर्वोत्तर में ब्राजील, पश्चिम में एंडीज पर्वत, दक्षिण और पश्चिम में चिली, उत्तर में बोलीविया और पराग्वे और दक्षिण में ड्रेक पैसेज से लगती हैं।

भौतिक विशेषताएं:

- एकॉनकागुआ एंडीज पर्वत श्रृंखला का सबसे ऊंचा पर्वत है, जो अर्जेंटीना के मेंडोज़ा प्रांत में स्थित है।
- लागुना डेल कार्बन अर्जेंटीना के सांता क्रूज़ प्रांत के कॉर्पेन ऐके विभाग में एक खारे पानी की झील है।
- पराना एक नदी बेसिन है जो पूर्वोत्तर अर्जेंटीना, पूर्वी पराग्वे और उत्तरी उरुग्वे के कुछ हिस्सों को कवर करता है।
- पम्पास अटलांटिक तट से एंडियन तलहटी तक फैला हुआ है और इसमें ब्यूनस आयर्स, ला पम्पा, सांता फ़े, एंट्रे रियोस और कॉर्डोबा के अर्जेंटीना प्रांत शामिल हैं।

POINTS TO PONDER

- कर्नाटक सरकार ने हाल ही में बेरोजगार स्नातकों और डिप्लोमा धारकों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए कौन सी योजना शुरू की है? - **युवा निधि योजना**
- हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय ऊँट महोत्सव भारत के किस शहर में आयोजित हुआ? - **बीकानेर, राजस्थान**
- गंगा सागर मेला, कुंभ मेले के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा मेला, भारत के किस राज्य में मनाया जाता है? - **पश्चिम बंगाल**
- भारत के किस बैंक ने ग्रीन रुपी टर्म डिपॉजिट की शुरुआत की है? - **भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई)**
- पीएम-ईबस सेवा योजना के लिए कौन सा मंत्रालय जिम्मेदार है? - **आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय**